## बारहवीं पुण्यतिथि

**स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती**

(संस्थापक/सम्पादक पिघलता हिमालय)

21.5.1944 - 22.2.2013

आपकी दूरदृष्टि, आपके द्वारा किया गया चिन्तन-मनन व कार्य हमारे प्रेरणा श्रोत हैं। बारहवीं पुण्यतिथि पर शत-शत नमन।

**समस्त परिजन**

**एवं**

**पिघलता हिमालय परिवार**

RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

# पिघलता हिमालय

वर्ष 40 अंक 37 हल्द्वानी सम्वत् 2081 सोमवार 17 फरवरी 2025 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया


# लला जसुसी शौक्याणी की धरोहरों को बचाना होगा

## इसी संकल्प के साथ जारी है अभियान

**कार्यालय प्रतिनिधि**

दारमा घाटी की दानवीरांगना जसुली लला द्वारा समाज को दिये गये लाभ का आंकलन उनके द्वारा बनवाई गई धर्मशालाओं से किया जा सकता है। जसुली बूढ़ी शौक्याणी ने अपने समय में पहाड़ के अनजान रास्तों में राहगीरों के लिये जिस प्रकार की सराय बनवाई थीं वह वर्तमान में इतिहास बन चुकी हैं। इतिहास के इन खण्डहरों को भी अतिक्रमण से बचाने और इन्हें संरक्षित करने का अभियान बुद्धिजीवियों द्वारा किया जा रहा है। कैलास यात्रा पथ पर तिब्बत तक चार सौ से अधिक धर्मशालाओं के लिये योगदान देने वाली जसुली अमा और तत्कालीन अंग्रेज कमिश्नर हैनरी रेमजे की सूझ को हमेशा याद किया जायेगा, जिन्होंने पैदल यात्रा पथ पर यात्रियों, विद्यार्थियों, श्रद्धालुओं के ठहरने के लिये सुविधाएं दीं। उन यादों को इतिहास के पन्नों के साथ धरातल पर बनाए रखने के लिये जसुली बूढ़ी लला शौक्याणी धर्मशाला जीर्णोद्धार एवं प्रबन्धन समिति लगातार जुटी है। पिघलता हिमालय परिवार इस पूरी मुहीम में सबसे अपील करता है।

## 'शक्ति प्रेस' जन आन्दोलनों का गढ़ रहा है

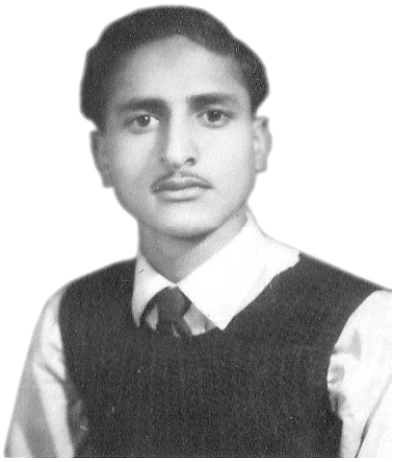

हल्द्वानी। वरिष्ठ कथाकार और पिघलता हिमालय के संस्थापक सम्पादक स्व. आनन्द बल्लभ उप्रेती बारहवीं पुण्यतिथि भी उनके आन्दोलन के रूप मनाई जा रही है। इस आयोजन को दानवीरांगना जसुली बूढ़ी शौक्याणी के सामाजिक योगदान के साथ अपनी संस्कृति को संरक्षित करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जाता है। 'पिघलता हिमालय' जिस दिशा पर चला था उसे आज 47 साल बाद भी बनाए रखना आन्दोलन ही है।

बात 'शक्ति प्रेस' की करते हैं जिसे स्व. आनन्द बल्लभ उप्रेती ने हल्द्वानी के कालाढूंगी रोड स्थित ऐशबाग मोहल्ले में 1969 में शुरू किया था। भाबर के हालातों की जड़ों को जानने वाले उप्रेती ने अपनी पुस्तक 'हल्द्वानी : स्मृतियों के झरोखे से' में इस बात का अनुमान लगा लिया था कि अब हल्द्वानी बदलता शहर है। ऐसे में उनके बाद 'शक्ति प्रेस' को जे.के.पुरम् सेक्टर डी, छोटी मुखानी हल्द्वानी में शिफ्ट कर दिया गया। वाकेई हल्द्वानी शहर को उधेड़ने-बुनने का जो खेल चल रहा है उसमें सड़कों का चौड़ीकरण होना है और नजूल जैसे मसले बने हुए हैं। जर्जर हो चुके शक्ति प्रेस के भवन को छोड़कर उनके परिजनों ने तय किया कि इसे शिफ्ट किया जाए। लेकिन यादों

शेष पृष्ठ 2 पर

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

## जिसमें ले-देकर बात बन जाए ऐसे निरीक्षण को क्या कहें?

**अक्सर निरीक्षण या जाँच के नाम पर सतर्कता बढ़ जाती है। यह सब समय समय पर होना भी चाहिये ताकि वित्तीय व अन्य प्रकार से भी व्यवस्थाएं सुचारु रहें और उनमें मनमानी न हो। निरीक्षण से आंकलन भी किया जाता है कि कौन कितना गुणवत्ता में है। लेकिन ऐसे निरीक्षण को क्या कहेंगे जिसमें गलत को सही बताने के लिये सौदा हो जाए।**

**आडिट मामलों में ऐसा माना जाता है कि निरीक्षण को आने वाली टीम की सेवा-टहल के बिना दिक्कत ही होगी। टीम को खुश करने का मतलब क्या निरीक्षण में पास हो जाना होता है? यदि यही सब चल रहा है तो बहुत गड़बड़ है। ऐसे में उन ईमानदार अधिकारियों-कर्मचारियों को भी संदेह से देखा जाता है जो गलत को सच नहीं कह सकते।**

**पिछले दिनों सीबीआई ने नेशनल असेसमेंट एण्ड एक्रेडिटेशन काउंसिल (नैक) की निरीक्षण टीम के चैयरमैन और 6 सदस्यों समेत दस लोगों को भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया है। इन पर ए प्लस ग्रेड के लिए रिश्वत लेने का आरोप है। गिरफ्तार लोगों में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के एक प्रोफेसर, आन्ध्र प्रदेश के गुंटूर स्थित कोनेरू लक्ष्मैया एजुकेशन फाउंडेशन के वाइस चांसलर और दो अन्य अधिकारी भी शामिल हैं। छापेमारी के दौरान 37 लाख रु. नकद, 6 लैपटॉप, एक आईफोन और अन्य सामान बरामद किया गया। सीबीआई के अनुसार इन लोगों ने रिश्वत लेकर ग्रेड हासिल करने की कोशिश की।**

**यदि ढंग से जाँच-पड़ताल की जाए तो होने वाले निरीक्षण, पैनल का सारा सच डरावना दिखाई देगा। सरकारी व्यवस्था में पैनल, निरीक्षण जैसे खेल टीए-डीए-मौज बन चुका है। प्राइवेट व्यवस्था में जाने वाली टीम के नखरे और भी ज्यादा हो जाते हैं। यह सब क्या होता जा रहा है? इसका मतलब तो यही हुआ कि जितना भी उजला दिखाया जा रहा है वह सब दिखाने वाला ही है। इनकी सच्चाई कुछ और ही होती है। इसलिये सच को सच रहने की शुरुआत करनी चाहिये अन्यथा यह सब झूठ ही है।**

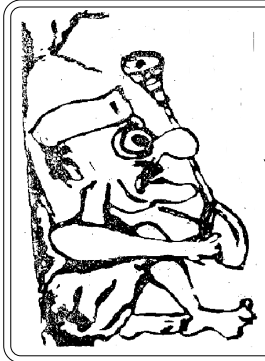

## फसक

# दाज्यू, खेल की आड़ में महारद्दी खेल हो रहा ठैरा

### ठेकेदारी और शोषण के लिये एकबट्याते रहते हैं बल

दाज्यू, नेशनल गेम्स का खूब रंगारंग देखा इस बार। फर्राटेदार खिलाड़ी और झन्नाटेदार कोच। खेल बहुत जरूरी है। ओलम्पिक में जाने के लिये नेशनल गेम्स प्रमुख सीढ़ी है। दाज्यू, यह सब तो है लेकिन खेल की आड़ में महारद्दी खेल हो रहा ठैरा। बब्बू कह रहा था- 'ठेकेदारी और शोषण के लिये एकबट्याते रहते हैं बल।' टनकपुर स्टेडियम के कोच को यौन शोषण के आरोप में हटाना पड़ा। ऐसे ही कितने मामले हुए।

28वें राष्ट्रीय खेलों में गेम्स टेक्नीकल कडंक्ट कमेटी ने ताइक्वांडो स्पर्धा के लिये नामित डायरेक्टर आपु कम्पटीशन टी.प्रवीण कुमार को फिक्सिंग के आरोपों की जाँच के बाद हटा दिया।

बागेश्वर में खेल विभाग का कनिष्ठ सहायक स्मैक के से साथ गिरफ्तार हो गया। दाज्यू, 'खेलेगा इण्डिया' का नारा बहुत लगता रहा है लेकिन इसकी आड़ में जो ठेलपेल हो रही है.....। राष्ट्रीय योगासन खेल महासंघ के अध्यक्ष उदित सेठ ने कहा- 'राजनीतिक दबाव के चलते योग प्रतियोगिता अल्मोड़ा में की गई है। योग एक इन्डोर खेल है इसे टेंट में कराया जाना पूरी तरह गलत है।' दाज्यू, खेल ही ठैरा, हो जाने दो जहाँ बज्जर पड़ता है। किसी ने कुछ कहना ही हुआ।

जमाने में चल रही लीलाओं का एक छोर थोड़ा ही है। लातकार और बलात्कार जिस न होता हो, ऐसा कोई दिन नहीं। खटीमा में कक्षा 11 की छात्रा की अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देकर डेढ़ वर्ष तक जबरन दुष्कर्म करने वाले को गिरफ्तार कर लिया है। उधर पिथौरागढ़ में इंटरनेट मीडिया पर युवती को परेशान करने वाले बालक के खिलाफ मामला दर्ज हुआ है। दाज्यू, जागेश्वर मन्दिर समिति कह रही है कि अर्मादित कपड़े पहन कर आने वालों को समिति धोती देगी। बात तो ठीक है लेकिन धोती तो धाम तक ही पहननी होगी, उसके बाद.....। क्या किया जाए? सांप-छछुन्दर सब घूम रहे हैं।

चम्पावत पुलिस ने चल्थी के पास चैकिंग में 38 लाख की हेरोइन के साथ तस्कर को दबोच लिया।

दाज्यू, हम भी महाकुम्भ में जाने की सोच रहे थे लेकिन तब तक समाचार मिला कि धर्मनगरी हरिद्वार के होटल में सैक्स रैकेट का पर्दाफाश हुआ है। सिडकुल क्षेत्र में पुलिस ने देह व्यापार में शामिल तीन महिलाओं समेत सात लोगों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने होटल में एक अन्य जोड़े को भी पकड़ा। दाज्यू, किधर जाएं किधर न जाएं। निकाय चुनाव के बाद शपथ ग्रहण समारोह देखने का न्योता भी आ गया। बड़े मैदान में पाण्डाल सजाया गया था। तभी हम सोच में हैं कि इस भागती दुनिया में कितना भागा जाए?

-तुम्हारा भुली झकरुवा

## देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

### चंद्रिका कृष्णामूर्ति टंडन को ग्रैमी अवार्ड

लॉस एंजिलिस। भारतीय-अमेरिकी संगीतकार व उद्यमी चन्द्रिका टण्डन ने अपने एल्बम 'त्रिवेणी' के लिए ग्रैमी अवार्ड 2025 जीता है। उन्होंने 'बेस्ट न्यू एज, एंबिएंट, चैंट एल्बम' श्रेणी में द.अफ्रीकी बांसुरीवादक वाउटर केलमैंन व जापानी-अमेरिकी सेलो वादक इरु मात्सुमोटो के साथ सहयोग से इसे जीता।

### वन क्षेत्र कम करने वाला काई काम न करें

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अगले आदेश तक केन्द्र और राज्य सरकारों को वन क्षेत्र कम करने वाले काई भी कार्रवाई करने पर रोक लगा दी है। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस विनोद चन्द्रन की पीठ ने यह आदेश वर्ष्ण 2023 वन संरक्षण कानून में संशोधन के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान दिया।

### इस्माइली समुदाय के नेता आगा खां का निधन

पेरिस। हार्वर्ट स्नातक के रूप में 20 साल की उम्र में ही दुनिया भर में लाखों इस्माइली मुस्लिमों के आध्यात्मिक नेता के नेता बन गए आगा खां चतुर्थ का विगत दिवस निधन हो गया। वह 88 वर्ष के थे। आगा के निधन के बाद उनके बेटे रहीम अल-हुसैनी को उनका उत्तराधिकारी बनाया गया है।

### फिलीपीन उपराष्ट्रपति पर महाभियोग कार्यवाही

मनीला। फिलीपीन की उपराष्ट्रपति सारा डुटेर्टे के खिलाफ प्रतिनिधि सभा में महाभियोग की कार्यवाही की गई और आवश्यक संख्या से अधिक सांसदों ने उन्हें पद से हटाने के प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए। सदन में उनके खिलाफ महाभियोग चलाने पर विचार करने के लिये पर्याप्त संख्या रही।

### मदर टेरेसा ट्रस्ट के चार सदस्य गिरफ्तार

चेन्नई। तमिलनाडु में आर्थिक अपराध शाखा ने सलेम में मदर टेरेसा ट्रस्ट के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनमें दो महिलाएं भी शामिल हैं। उन पर 200 से अधिक जमाकर्ताओं से 4.3 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का आरोप है। आरोपियों के पास से 12.68 करोड़ रुपये नकद, तीन किलो सोने के आभूषण और 13 किलो चांदी के सामान बरामद किए हैं।

### दक्षिण की प्रसिद्ध अभिनेत्री पुष्पलता का निधन

चेन्नई। दक्षिण भारत की प्रसिद्ध अभिनेत्री एवं भरतनाट्यम नृत्यांगना पुष्पलता का विगत दिवस लम्बी बीमारी के बाद निधन हो गया। 87 वर्षीय पुष्पलता ने 1858 में 'सेनकोट्टई सिंगम' से सहा.अभिनेत्री फिल्मी दुनिया में प्रवेश किया।

## शक्ति प्रेस जन आन्दोलनों का गढ़ रहा है.....

प्रथम पृष्ठ का शेष

की बारात में 'शक्ति प्रेस' हल्द्वानी के इतिहास में पुराना छापाखाना रहा है जिसमें ट्रेडिल मशीनों से कार्य होता था, समय के साथ सबकुछ बदल चुका है और कम्प्यूटर इत्यादि जोड़ से कार्य होने लगे हैं परन्तु वह दौर जब इस छापेखाने से 1978 में 'पिघलता हिमालय' की शुरुआत हुई। शक्ति प्रेस एक ऐसा अड्डा बन चुका था जिसमें हल्द्वानी के हर छोटे-बड़े आन्दोलन से जुड़े लोगों के अलावा राजनीति से जुड़े हर प्रकार के नेता और संगठन के लोगों की बैठक होती थी। हल्द्वानी में जिस उत्तरायणी और पर्वतीय सांस्कृतिक उत्थान मंच की चर्चा है, इसका कार्यालय भी 'शक्ति प्रेस' ही रहा है। हीरानगर में जब उत्थान मंच के लिये भूमि आन्दोलन हुआ और यहाँ भवन बना, तब भी लम्बे समय तक कार्यालय का पता शक्ति प्रेस ही रहा।

इन दिनों हल्द्वानी शहर का पूरा हुलिया बदल रहा है और नगर निकाय चुनाव के बाद तो बहुत कुछ नवनिर्माण भी हो रहे हैं लेकिन हल्द्वानी के इतिहास को जब भी टटोला जाएगा, स्व.उप्रेती की कृति 'हल्द्वानी स्मृतियों के झरोखे से' का उल्लेख होगा। यही कारण है कि उनकी बारहवीं पुण्यतिथि पर 'शक्ति प्रेस' के बहाने उन स्मृतियों को दिया जा रहा है। हल्द्वानी शहर का फैलाव इसके आस-पास के 52 गाँवों तक हो चुका है और शहर का चेहरा बदल गया है। यह सब होना ही था, इसी लिये स्व.उप्रेती ने कालाढूंगी रोड से हटकर

और शहर के बीच ही जे.के.पुरम् में अपना आशियाना बना लिया था। 27 जनवरी 2024 को 'शक्ति प्रेस' को भी यहीं शिफ्ट कर दिया गया। इससे पहले पिघलता हिमालय का संचालन भी इसी स्थान से कर दिया गया था। यह सब सांस्कृतिक यात्रा ही है दृढ़ता के साथ जारी है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

सोलर एनर्जी

# उत्तराखण्ड में ऊर्जा की डिमांड बढ़ी!

**डॉ. हरीश चन्द्र अन्डोला**

उत्तराखण्ड सोलर एनर्जी के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। हाल ही में उत्तराखण्ड को पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में रूट टॉप सोलर प्लान्ट लगाने में देश में पहल नम्बर हासिल करने पर 9.50 करोड़ का इंसेंटिव जारी किया गया था। दरअसल, सोलर एनर्जी के क्षेत्र में केन्द्र सरकार व्यापक कार्य कर रही है। ऊर्जा प्रदेश की राह में आगे बढ़ रहे उत्तराखण्ड में भी सोलर ऊर्जा का दायरा बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

पीएम सूर्य घर योजना के तहत प्रदेश में अब तक 30 हजार के करीब आवेदन प्राप्त हो चुके हैं और तेजी से कार्य किया जा रहा है। यही नहीं पम्प स्टोरेज प्लान्ट के क्षेत्र में भी प्रदेश में क्षमता बढ़ाई जा रही है। दूसरी ओर जल विद्युत परियोजनाओं पर लगी रोक के कारण उत्पादन में वृद्धि सम्भव नहीं हो पा रही है। स्थिति यह है कि उत्तराखण्ड, जो प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर राज्य माना जाता है, अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए बाहरी स्रोतों पर निर्भर होता जा रहा है। राज्य सरकार की निगाहें अब उन 21 जल विद्युत परियोजनाओं पर टिकी हैं जिन्हें सुप्रीम कोर्ट की तीसरी समिति ने हरी झण्डी दी थी। लेकिन अभी भी केन्द्र सरकार की मंजूरी का इन्तजार कर रही हैं। अगर इन परियोजनाओं को स्वीकृति मिलती है तो उत्तराखण्ड अपनी ऊर्जा जरूरतों को काफी हद तक पूरा कर सकता है। उत्तराखण्ड में विद्युत की मांग लगातार बढ़ रही है। पीक सीजन में यह मांग 2600 मेगावाट प्रतिदिन तक पहुँच जाती है, जबकि उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम लिमिटेड का सर्वाधिक उत्पादन सिर्फ 900 से 1000 मेगावाट तक का ही है। इस भारी अन्तर को पाटने के लिए राज्य को लगभग 1600 मेगावाट बिजली केन्द्रीय पूल या खुले बाजार से खरीदनी पड़ती है। सामान्य दिनों में भी उत्तराखण्ड में बिजली की मांग 2000 से 2100 मेगावाट के बीच बनी रहती है जबकि उत्पादन 300 से 400 मेगावाट ही होता है। इस कमी को पूरा करने के लिए उत्तराखण्ड सरकार को हर साल करीब 1000 करोड़ रुपये की बिजली खरीदनी पड़ती है, जिससे राज्य के राजकोष पर भारी वित्तीय बोझ पड़ रहा है।

उत्तराखण्ड अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण विद्युत उत्पादन की असीम सम्भावनाएं रखता है। राज्य में नदियों की प्रचुरता के कारण यहाँ लगभग 20 हजार मेगावाट तक बिजली

उत्पादन की क्षमता है लेकिन वर्तमान में सिर्फ 4249 मेगावाट की क्षमता वाली जल विद्युत परियोजनाएं संचालित हो रही हैं। अगर सरकार को रुकी हुई 21 जल विद्युत परियोजनाओं को शुरू करने की अनुमति मिलती है तो राज्य को अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में बड़ी मदद मिलेगी। साल 2013 की केदारनाथ आपदा के बाद सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखण्ड की जल विद्युत परियोजनाओं पर खुद संज्ञान लेते हुए इन पर रोक लगा दी थी। इसके बाद साल 2014 में सुप्रीम कोर्ट ने पर्यावरणविद् रवि चोपड़ा की अध्यक्षता में एक कमेटी गठित की, जिसने अपनी रिपोर्ट में 24 जल विद्युत परियोजनाओं को आगे न बढ़ाने की सिफारिश की थी। परियोजना से जुड़ी कंपनियों और राज्य सरकार ने इस रिपोर्ट पर आपत्ति जताई, जिसके बाद 2015 में सुप्रीम कोर्ट ने आईआईटी कानपुर के प्रोफेसर विनोद तारे की अध्यक्षता में दूसरी कमेटी बनाई। इस कमेटी ने भी जल विद्युत परियोजनाओं के चलते पर्यावरणीय जोखिमों को उजागर करते हुए इन्हें शुरू करने के खिलाफ रिपोर्ट दी। इसके बाद भी राज्य सरकार और अन्य पक्ष सुप्रीम कोर्ट में इन परियोजनाओं की वकालत करते रहे। साल 2020 में सुप्रीम कोर्ट ने हाइड्रोलॉजी एक्सपर्ट बीपी दास की अध्यक्षता में तीसरी कमेटी गठित की, जिसने राज्य में 28 जल विद्युत परियोजनाओं को शुरू करने की सिफारिश की। केन्द्र सरकार ने इनमें से सिर्फ 7 परियोजनाओं को मंजूरी दी, जिन पर पहले से ही कार्य प्रारम्भ हो चुका था। जब सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र सरकार से पूछा कि 28 में से केवल 7 परियोजनाओं को ही मंजूरी क्यों दी गई तो केन्द्र ने कैबिनेट सचिव टीवी सोमनाथन की अध्यक्षता में एक नई समिति गठित की। इस समिति ने अध्ययन के बाद 5 और जल विद्युत परियोजनाओं को मंजूरी देने कीसिफारिश की, यह तर्क देते हुए कि इन परियोजनाओं से होने वाला लाभ सम्भावित पर्यावरणीय नुकसान से अधिक होगा। हालांकि, इन पाँच परियोजनाओं पर अभी केन्द्र के जल शक्ति मंत्रालय से अन्तिम मंजूरी नहीं मिली है और यह मामला सुप्रीम कोर्ट के न्यायिक पुनर्वलोकन के अधीन है। जब तक नई परियोजनाओं को मंजूरी नहीं मिलती, राज्य को हर साल हजारों करोड़ रुपये की बिजली खरीदनी पड़ेगी। उत्तराखण्ड के लिए जल विद्युत परियोजनाएं ऊर्जा संकट का स्थायी समाधान हो सकती हैं, लेकिन कानूनी और पर्यावरणीय अड़चनों के कारण सरकार इन्हें लागू करने में असमर्थ रही है। सुप्रीम कोर्ट की तीसरी कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर 5 और परियोजनाओं को मंजूरी देने की सिफारिश की गई है, जिससे राज्य को 600 मेगावाट अतिरिक्त बिजली मिल सकती है। गर्मियों के मौसम में बिजली की खपत बढ़ जाती है, ऐसे में बिजली का बिल भी तेजी से बढ़ता है, बिजली के बिल को कम करने के लिए सोलर पैनल का प्रयोग किया जाता है। सोलर सिस्टम को स्थापित करने के बाद यूजर को अनेक लाभ प्राप्त होते हैं। उत्तराखण्ड सरकार द्वारा राज्य के नागरिकों को सोलर पैनल लगाने के लिए सब्सिडी प्रदान की जा रही है, ऐसे में नागरिक कम कीमत में बढ़िया सोलर पैनल लगा सकते हैं। राज्य में सौर ऊर्जा के क्षेत्र अनेक संभावनाएं हैं, इसके लिए राज्य में स्वरोजगार योजना को बढ़ावा प्रदान किया जा रहा है। राज्य में सौर ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा प्रदान किया जा रहा है, राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2026 तक 250 मेगावाट क्षमता का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। सौर ऊर्जा क्षेत्र को विकसित करने के लिए पर्यावरण को स्वच्छ एवं सुरक्षित बनाया जा सकता है।

## ज्योतिष की बातें- 217

18 फरवरी 2025 को सूर्य सायनमान से मीन राशि में प्रवेश करेगा। बसन्त ऋतु का प्रारम्भ हो जाएगा। अतः अगले दो माह त्रिफला चूर्ण में शहद मिलाकर सेवन करना स्वास्थ्यप्रद रहेगा।

23 फरवरी 2025 को शनि कुम्भ राशि में पश्चिम दिशा में अस्त हो जाएगा सूर्य और शनि के बीच की अंशात्मक दूरी जब तक 15 अंश से कम रहती है तब तक शनि अस्त रहता है। अस्त ग्रह का बल शून्य होता है अतः शनि के अस्त होने के कारण जातकों को शनि से प्राप्त होने वाले शुभाशुभ फल अगले 35 दिन अत्यल्प मात्र में ही प्राप्त होंगे। अर्थात् शनि से प्राप्त कष्टों में कमी आएगी।

इस स्थायी स्तम्भ में ग्रहों का गोचरुल जातक की चन्द्रराशि के अनुसार और मन्त्रेश्वर द्वारा लिखित फलदीपिका नामक ग्रन्थ के आधार पर प्रस्तुत किया जाता है। इससे जातक को आने वाले समय का स्थूलरूप से ही सही, एक अनुमान हो जाता है।

शुभं भवतु !!

**-ओंकार नाथ कोष्टा**
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

## सम्यक् विचार- 108

### रिकॉर्ड बनाने की लालसा

कुछ लोगों में पिछला रिकॉर्ड तोड़कर अपना नया रिकार्ड बनाने की लालसा पाई जाती है। कुछ लोग सर्वाधिक रसगुल्ले खाने का रिकॉर्ड बनाना चाहते हैं तो कोई सबसे अधिक ऊँचाई से छलांग लगाने का रिकॉर्ड बनाना चाहते हैं। भले ही उनकी जान पर बन आए। लेकिन जब यही रिकॉर्ड बनाने की लालसा राजा के मन में आती है तो प्रजा को बहुत भारी कीमत चुकानी पड़ती है। कोई सबसे अधिक वोटों से जीतने का रिकॉर्ड बनाना चाहता है। कोई सबसे ऊँची मूर्ति बनाना चाहता है तो कोई सबसे ऊँचा बांध बनाना चाहता है। कोई सर्वाधिक रेलवे लाइन बिछाने का रिकॉर्ड, सर्वाधिक राष्ट्रीय महामार्ग प्रतिवर्ष बनाने का रिकॉर्ड, सबसे अधिक चौड़ी सड़क बनाने का रिकॉर्ड, सबसे ऊँचा रेलवे का पुल बनना चाहता है। कोई सबसे अधिक भीड़ जुटाने का रिकॉर्ड बनाना चाहता है। कोई शहरों के, रेलवे स्टेशनों के, एयरपोर्ट के सर्वाधिक नाम बदलने का रिकॉर्ड बनाना चाहता है। इस तरह के रिकॉर्ड बनाने के लिए कुछ भी करना पड़े, किया जाता है, चाहे पर्यावरण का सत्यानाश ही क्यों न हो जाए। इस समय चल रहे कुम्भ मेले में पिछले सभी रिकॉर्ड को तोड़ते हुए सबसे अधिक भीड़ जुटाने का प्रयास किया गया। उसके लिए कुम्भ को महाकुम्भ कहा गया और 144 वर्ष बाद कुम्भ लग रहा है, ऐसा झूठ भी बोला गया। जिस कुम्भ में स्नान के लिए करोड़ों लोग स्वयं ही पहुँचते हैं उसके लिए हजारों करोड़ का खर्च करके अनावश्यक प्रचार भी किया गया। फिर कोई दुर्घटना होने पर पुनः सबसे कम मौतें होने का रिकॉर्ड बनाने के लिए मौतों को क्रूरता से छुपाया भी गया।

इस तरह के रिकॉर्ड बनाने वालों से जनता को केवल भगवान ही बचा सकता है।

**-ओंकार नाथ कोष्टा**

# फायर सीजन से पहले जंगलों में आग

बागेश्वर/मुनस्यारी। फायर सीजन से पहले जंगलों में आग ने चिन्ता बढ़ा दी है। आग कैसे लग या किन लोगों ने लगाई इस पर सख्ती से कार्रवाई होनी चाहिये। मल्ला जोहार विकास समिति के अध्यक्ष श्रीराम सिंह धर्मशक्तू ने शासन-प्रशासन से वनों में आग के मामले पर सख्त कदम उठाने की मांग की है।

मुनस्यारी में से प्राप्त समाचारों में बताया गया है कि पंचाचूली, राजरम्भा, छिपलाकेदार के जंगलों में दो माह में कई बार आग लग चुकी है। गैला पत्थरकोट के जंगलों में भी नुकसान पहुँचा है।

बागेश्वर जनपद में भी जंगलों के नुकसान की सूचना है। बसराड़ी, फटगली, अणां के जंगलों के अलावा कपकोट और धरमघर रेंज के जंगलों में आग लगी। पहले जंगलों में चीड़ का पिरुल और अब सूखी घास आग फैलने में मदद कर रही है। विभाग कंट्रोल वार्निंग की बता रहा है।

# उत्तराखण्ड को गैंगस्टर संस्कृति से बचा लो : हरीश रावत

देहरादून। पूर्व मुख्यमंत्री व वरिष्ठ कांग्रेसी नेता हरीश रावत ने खानपुर के विधायक उमेश कुमार और पूर्व विधायक प्रणव चैम्पियन के बीच छिड़े गैंगस्टर जैसे संघर्ष पर कहा है- 'हे भगवान, मेरे उत्तराखण्ड को इस गैंगस्टर संस्कृति से बचा।'

श्री रावत ने कहा कि पंजाब, हरियाणा, दिल्ली के पास होते हुए भी हिमाचल में कभी भी गैंगस्टर संस्कृति, अपराधिक संस्कृति, सामाजिक जीवन पर हाबी नहीं हो पाई। उत्तराखण्ड में पहले से ही इसके बीज हैं। कई गैंग जो आज भी जेलों में हैं। वह हरिद्वार में भी लोगों से बदसलूकी करते हैं, यह सत्य सबको मालूम है। देहरादून में पहले भी गैंगवार हो चुके हैं। राज्य बनने के बाद इस पर थोड़ा नियन्त्रण आया था। जब सार्वजनिक जीवन के लोग ही बन्दूक और पिस्तौल संस्कृति की बातें करेंगे और उनको शीर्ष का संरक्षण प्राप्त होगा।

पुरानी यादों के साथ श्री रावत कहते हैं कि बसन्त पंचमी के त्योहार पर पहले रामनगर के पैंठ पड़ाव में उत्तराखण्ड राज्य निर्माण की नींव पड़ी थी। यही पैंठ पड़ाव में मैंने अपना पहला सार्वजनिक भाषण दिया था, वह भी उत्तराखण्ड राज्य के लिये। अब 25 साल का गबरू जवान भी रहा है। हमको अपराधिक प्रवृत्तियों से बचना है, छोटे राज्य में इस यह सक्रिय हो रहे हैं। हिमाचल ने अपने जन्म के साथ ही कुछ साहसिक निर्णय लिए उसका परिणाम उसके लिए शुभ रहा।

कहा कि पंजाब, हरियाणा, दिल्ली के पास होते हुए भी हिमाचल में कभी भी गैंगस्टर संस्कृति, अपराधिक संस्कृति, सामाजिक जीवन पर हाबी नहीं हो पाई। उत्तराखण्ड में पहले से ही इसके बीज हैं। कई गैंग जो अब भी जेलों में हैं वह हरिद्वार में भी लोगों से वसूलियां करती हैं, यह सत्य सबको मालूम है। अब तो सार्वजनिक जीवन के लोग ही बन्दूक और पिस्तौल की संस्कृति की बात करेंगे और उनको शीर्ष का संरक्षण प्राप्त होगा।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

## जड़ी-बूटी रायल्टी दर बढ़ोत्तरी वापस

देहरादून। पिछले साल वन क्षेत्र में उत्पादित जड़ी-बूटी की रायल्टी दरों में की गई बढ़ोतरी के आदेश वापस ले लिया गया है। अब पहले की तरह व्यवस्था लागू करने के लिये मंथन चल रहा है। वन क्षेत्र में झूला, मांस, तेजपत्ता सहित विभिन्न जड़ी-बूटियां मिलती हैं। इनकी रायल्टी दी अलग-अलग थी। पिछली बार रायल्टी में 40 प्रतिशत बढ़ोत्तरी कर दी थी, इसको लेकर काश्तकारों में रोष था।

## नो मैंस लैंड से अतिक्रमण हटाया

खटीमा। भारत-नेपाल सीमा पर प्रशासन, एसएसबी, पुलिस, सिंचाई और वन विभाग की संयुक्त टीम ने नो मैंस लैंड से अतिक्रमण हटाया। इस दौरान नेपाली नागरिकों ने कार्रवाई का विरोध किया, जिन्हें समझा कर शान्त करा दिया गया। एसडीएम रवीन्द्र सिंह बिष्ट के नेतृत्व में मेलाघाट से लेकर झप्पूझाला तक करीब 20 एकड़ भूमि पर अतिक्रमण हटाया।

## बांसबगड़ में पहली बार बसंतोत्सव

नाचनी। तेजम तहसील के तल्ला जोहार क्षेत्र में पहली बार बसन्तोत्सव का आयोजन हुआ। दस दिवसीय आयोजन को लेकर क्षेत्रवासियों में उत्साह देखा गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अलावा व्यापारिक गतिविधियां देखने को मिलीं।

## हल्द्वानी शहर में दो नए वेंडिंग जोन बनेंगे

हल्द्वानी। नगर निगम सभागार में नगरीय फेरी समिति की बैठक में नगरायुक्त ऋचा सिंह ने बताया कि पूर्व निर्धारित दस वेंडिंग जोनों के अलावा दो नए वेंडिंग जोन तिकोनिया से क्रियाशाला व मंगल पड़ाव स्थित तांगा स्टैंड चिन्हित किए गए हैं। ये नए वेंडिंग जोन अब फेरी व्यवसायियों के लिये वैध वेंडिंग जोन के रूप में बनाए जाएंगे।

## सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाएं

किच्छा। वार्ड 16 में सरकारी भूमि पर किए गए अतिक्रमण को हटाने की मांग को लेकर युवा समाजसेवी विशाल शर्मा के नेतृत्व में क्षेत्रवासियों ने उपजिलाधिकारी कौस्तुभ मिश्रा को ज्ञापन दिया। कहा वार्ड वासियों द्वारा लगातार शिकायत की जा रही है लेकिन अतिक्रण नहीं हटाया गया है।

## मुवानी-चिटगलगांव सड़क बदहाल

थल। मुवानी-चिटगलगांव सड़क बदहाल हो चुकी है। इसके सुधारीकरण की मांग को लेकर मुवानी घाटी संघर्ष समिति के अध्यक्ष रमेश बम के नेतृत्व में क्षेत्र के लोगों ने लोनिवि के ईई को पत्र भेजा है। कहा कि इस बदहाल सड़क पर कॉजवे क्षतिग्रस्त होने से गड्डा बन गया है जो दुर्घटना का कारण बन सकता है। सुरक्षा दीवारें भी टूटी हैं।

# वनराजि महिला की दुष्कर्म के बाद हत्या मामले में जनजाति आयोग चेता

धारचूला। माह नवम्बर में जौलजीवी मेले के दौरान एक वनराजि महिला की सामुहिक दुष्कर्म के बाद हत्या के मामले में जनजाति आयोग चेता है और अपराध करने वालों को कठोर सजा की बात कही गई है।

बताया जा रहा है कि 14 नवम्बर से आयोजित मेले के दौरान रात्रि को आयोजित सांस्कृतिक संध्या देखने के लिये वनराजि महिला भी गई थी। महिला रात्रि को अपने गाँव नहीं पहुँची। दूसरे दिन ढूंढ के बाद जौलजीवी से करीब दो किमी दूर किमखोला गाँव के नीचे टनकपुर-तवाघाट हाईवे किनारे गधेरे में अचेत अवस्था में मिली। ग्रामीण अज्ञानता व लाचारी के चलते उसे उपचार के लिये नहीं ले जा सके। इस हालत में अगले दिन उसकी मृत्यु हो गई। एक सप्ताह बाद पीएलवी और वनराजि समाज के कार्य करने वाली महिला को जब यह जानकारी मिली तो किसान मोर्चा ने जौलजीवी में प्रदर्शन किया। इस मामले में अब जनजाति आयोग ने संज्ञान लिया है और शीघ्र जाँच के आदेश दिये हैं।

## मंदिर से लगे वन में संगध पौधों की खेती

चम्पावत। भारत सरकार की योजना के तहत गुरु गोरखनाथ मन्दिर के जंगल में सगंध पौधों की खेती की तैयारी हो रही है। जंगल में पैदा होने वाली जड़ी बूटियों को संरक्षित करने के साथ ही वन विभाग के सहयोग से यह खेती होगी। यूकास्ट के विज्ञानी एवं भारतीय वन्य जीव संस्थान देहरादून के पूर्व निदेशक डॉ. गोपाल सिंह रावत ने बताया कि जनपद के दूरस्थ गाँव नरसिंहडांडा में सगंध पौधों की खेती की जा रही है।

# शपथ समारोह के अलावा पिथौरागढ़ में धिक्कार दिवस, हल्द्वानी मेयर निर्वाचन को कोट में चुनौती

### मुनस्यारी में वि.प्रतिनिधि हीरा चिराल ने नाराजी जताई

### रुद्रपुर में कांग्रेस पार्षदों ने किया समारोह का विरोध

उत्तराखण्ड नगर निकाय चुनाव के बाद सभी जगह शपथ ग्रहण समारोह भव्य रूप से मनाये गये लेकिन चुनाव में रही कसक को अभी तक पूरा किया जा रहा है। शपथ ग्रहण समारोह के दौरान मंच पूरी तरह नेताओं के जोशीले भाषण से गूंज रहे थे। उन्होंने सभी का आभार जताया और विकास की बात करी। दूसरी ओर मुनस्यारी में विधायक प्रतिनिधि हीरा चिराल ने इस बात को लेकर नाराजी जताई कि विधायक या उनके प्रतिनिधि तक को अधिकारियों ने शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित नहीं किया। इस प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिये।

रुद्रपुर नगर निगम शपथ ग्रहण समारोह का कांग्रेस पार्षदों ने विरोध करते हुए आरोप लगाया कि सरकारी आयोजन को भाजपामय किया जा रहा है जबकि मेयर की टीम में भाजपा-कांग्रेस निर्दलीय शामिल हैं। जिलाध्यक्ष हिमांशु गाबा ने कहा सरकार के इशारे पर संविधान एवं निर्वाचन नियमों की धज्जियां उड़ाई गई।

पिथौरागढ़ में निर्दलीय प्रत्याशी मोनिका महर की ओर से चुनाव में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए धिक्कार दिवस मनाया गया। ऋषभ महर व विधायक मयूख महर ने कहा प्रशासन हाथ की कठपुतली बना हुआ है। इधर हल्द्वानी में मेयर के कांग्रेस प्रत्याशी ललित जोशी की ओर से निर्वाचन को चुनौती देने वाली याचिका दायर की गई। मतदान सूची में गड़बड़ी बताई है।

# जागेश्वर धाम मर्यादित होकर ही जाएं

अल्मोड़ा। जागेश्वर धाम में जाने के लिये मर्यादित वस्त्र धारण करने होंगे। अमर्यादित वस्त्र पहनने वालों के लिये मन्दिर समिति धोती उपलब्ध कराएगी। जागेश्वर में मन्दिर समिति, प्रशासन और पुजारियों की बैठक में यह निर्णय लिया गया। एसडीएम जैंती-भनोली एन. एस. नगन्याल, कार्यवाहक प्रबन्धक जोगश्वर मन्दिर समिति बरखा जलाल, उपाध्यक्ष नवीन भट्ट की अगुवाई में हुई बैठक में मन्दिर सम्बन्धी तमाम विषयों पर चर्चा हुई। बैठक में उपस्थित पुजारियों ने कहा कि जागेश्वर धाम में कई श्रद्धालु अमर्यादित कपड़े पहन कर आ जाते हैं जिससे समाज के अन्य लोगों को शर्मिन्दगी झेलनी पड़ती है। बैठक में तय किय गया कि अमर्यादित पकड़े पहन कर आने वाले श्रद्धालुओं को मन्दिर समिति मन्दिर में प्रवेश से पूर्व पूजा के लिये न्यूनतम शुल्क लेकर एक धोती उपलब्ध कराएगी। चाहें तो दुकान से भी ले सकते हैं।

# तवाघाट-नारायण आश्रम मार्ग मरम्मत

धारचूला। आध्यात्मिक ओर पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल नारायण आश्रम को जोड़ने वाले तवाघाट-नारायणआश्रम मार्ग में क्षतिग्रस्त दीवारों के पुनर्निर्माण का कार्य होगा।

असल में क्षतिगस्त दीवारों को बनाने की मांग काफी समय से की जा रही थी। ऐसे में लोनिवि ने नारायण आश्रम मार्ग सहित तीन सड़कों में सुधार कार्य के प्रस्ताव शासन को भेजे हैं। शासन से स्वीकृति मिलते ही जल्दी कार्य किया जायेगा। नारायण आश्रम को जोड़ने वाली सड़क पर 11 से 37 किमी तक कुछ स्थानों पर मानसून काल में दीवारें क्षतिगस्त हुई थीं। जिसके चलते वाहन संचालन में दिक्कत हो रही है। चौंदास घाटी के ग्रामीणों ने इस मांग को लेकर आवाज भी उठाई लेकिन अभी तक कुछ नहीं हुआ था। अब जबकि पर्यटन सीजन आने वाला है लोनिवि ने शासन को प्रस्ताव भेज दिया। अप्रैल माह से पर्यटक और श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला शुरू हो जायेगा। लोनिवि ने 4.56 लाख का प्रस्ताव इनके सुधार के लिये भेजा है।

# पूर्णागिरी मेला 15मार्च से 15 जून तक

टनकपुर। प्रसिद्ध पूर्णागिरी मेला इस बार 15 मार्च से 15 जून तक चलेगा। इसको लेकर जिलाधिकारी नवनीत पाण्डे ने विभगीय अधिकारियों से कहा कि वह पूर्णागिरी मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सभी प्रकार की व्यवस्थाओं में अभी से जुट जाएं। इससे सभी तैयारियां समय से पूरी हों और मेले के आयोजन में भी किसी प्रकार की त्रुटि न रहे।

तहसील सभागार में डीएम ने इस मेले की समीक्षा बैठक के दौरान बताया कि मेला होली के अगले दिन 15 मार्च से शुरू होकर 15 जून तक चलेगा। तीन महीने तक चलने वाले इस मेले को और भव्य बनाया जायेगा। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के साथ ही वाहन पार्किंग, पेयजल व्यवस्था, यातायात व्यवस्था, परिवहन व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिये जाने के सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया। बैठक में सभी अधिकारी मौजूद थे।

# अल्मोड़ा में योग की सहमति नहीं दी

अल्मोड़ा। डीओसी और योगासन भारत ने तय किया था कि राष्ट्रीय योग प्रतियोगिता के लिये यह मंच उचित नहीं है। इससे मैं कतई सन्तुष्ट नहीं हूँ। यह बात राष्ट्रीय योगासन खेल महासंघ के अध्यक्ष उदित सेठ ने कही। कहा कि इसी कारण 20 योग खिलाड़ियों और तीन निर्णायकों की तबीयत बिगड़ी।

खेल स्टेडियम में हुई पत्रकार वार्ता में उदित सेठ ने आरोप लगाया कि राजनीतिक दबाव के चलते योग प्रतियोगिता अल्मोड़ा में की गई है। योग एक इन्डोर खेल है इसे टेंट में कराया जाना पूरी तरह गलत है। उन्होंने आरोप लगाया कि करोड़ों की लागत से जो जमीन हैंगर (टैंट) लगाया गया है वह भी टपक रहा है। इन्हीं कमियों के अंदो के चलते डायरेक्टर ऑफ कम्पटीशन ने भी अल्मोड़ा में योग को लेकर सहमति नहीं दी थी। हमने सुझाव दिया था कि प्रतियोगिता ऋषिकेश, देहरादून या हरिद्वार इंडोर स्टेडियम में की जाए। दूसरी ओर ओलम्पिक संघ के अध्यक्ष कह रहे हैं कुछ लोग अफवाह फैला रहे हैं।

## परिक्रमा

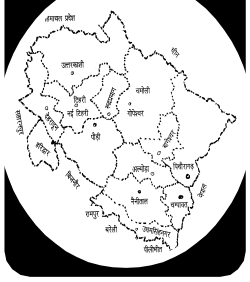

## रानीखेत व्यापार मण्डल चुनाव 21को

रानीखेत। नगर व्यापार मण्डल की नई कार्यकारिणी का चुनाव 21 फरवरी को होगा। निष्पक्ष व पारदर्शी निर्वाचन के लिये चुनाव समिति ने शिव मन्दिर में अहम बैठक की।

## डीएलएड प्रशिक्षितों को नियुक्ति दो

थल। डीएलएड प्रशिक्षितों ने सरकार से प्राथमिक विद्यालयों में नियुक्ति देने की मांग की है। उनका कहना है कि 2020-21 के बैच में डायट से प्रशिक्षण लेकर उन्होंने प्राथमिक स्कूलों में विभिन्न चरणों में दो वर्षों तक प्रशिक्षण लिया है लेकिन उन्हें नियुक्ति नहीं दी जा रही है। जबकि प्रदेश के प्राथमिक विद्यालय में शिक्षकों के पद रिक्त हैं।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

हिमालय संगीत शोध समिति द्वारा आयोजित सेमिनार

## 'हिमालय का लोक जीवन पर प्रभाव और लला जसुली'

**( सामाजिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं पर्यावरणीय सन्दर्भ )**

मुख्य आकर्षण-

1. हिमालयी/सीमान्त क्षेत्र के विद्वतजनों के विचार
2. शिक्षा, संगीत, पत्रकारिता, सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों का सम्मान।
3. पिघलता हिमालय की पुस्तकों की प्रदर्शनी
4. मुनस्यारी हाउस के स्टाल में पर्वतीय उत्पाद
6. तकनीकी हिमालय संगीत शोध समिति के सभागार में जारी रहेगा, जिसमें पहाड़ की होली विधा पर मंथन होगा।

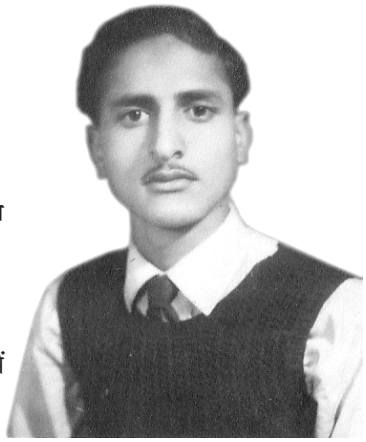

**आनन्दश्री सम्मान से सम्मानित होने वाले महानुभाव-**

**श्रीमान नरेन्द्र सिंह जंगपांगी, प्रधान आयकर आयुक्त उत्तराखण्ड**
**प्रो. आनन्द सिंह उनियाल, संयुक्त निदेशक उच्चशिक्षा उत्तराखण्ड**
**श्रीमान गंगासिंह पांगती, अध्यक्ष अ.भा.प्रधान संगठन धरमघर, नाकुरीपट्टी**
**श्रीमती पूजा जंगपांगी, जोहार संस्कृति को समर्पित, बागेश्वर**
**श्रीमती अंजलि बोनाल, रं संस्कृति के अभियान में संकल्पित**
**श्रीमान भूपाल सिंह बिष्ट, पर्वतीय संस्कृति संरक्षण में सक्रिय, बरेली**
**श्रीमान पूरन सिंह दानू, लोक संगीतकार एवं कलाकार, बरेली**
**श्रीमान अमित उप्रेती, श्रीमान सुमित जोशी, श्रीमान सन्तोष जोशी, श्रीमान पवन कुंवर, श्रीमान दिनेश पाण्डे**
**( पत्रकारिता के सजग प्रहरी )**

## वरिष्ठ कथाकार-पत्रकार स्व. आनन्द बल्लभ उप्रेती का 12वां स्मृति समारोह

दिनांक- 23 फरवरी 2025 रविवार
दिनांक- 23 फरवरी 2025
स्थान- हरगोविन्द सुयाल इण्टर कालेज पीलीकोठी, कालाढूंगी रोड में गोविन्दपुरम्,
आर.के.टैंट हाउस मार्ग हल्द्वानी
उद्घाटन- प्रातः 11 बजे

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर
मो.न. 8958525979, 9411134775
नानासेम, मुनस्यारी
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236

MARTOLIA FURNITURE
Modular Kitchen, Sofa Set, Dinning Table, TV Cabinet, Dressing Table, Bed Room Furniture
Drawing Room Furniture & Interior, Restaurant Furniture & Turnkey Project.
Add : Near Devendrapuri, Badi Mukhani, Pilikothi Road, Haldwani Mob. : 8057167777, 7906752084, 8650427229

कपूर एण्ड संस
संजय कलोनी, बसन्त विहार के सामने, मुखानी हल्द्वानी
मो.न. 9358677097, 7505954468
कपूर इण्टरप्राईजेज
निकट मंगलम बैंकट हॉल, देवलचौड़ रामपुर रोड, कैंची धाम मार्ग हल्द्वानी
9997712279, 9837824462

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

# हिमालय में स्नो लैपर्ड पर वन विभाग का अध्ययन शुरू

## ग्रीन इंडिया मिशन और वन विभाग के कैमरे में कैद हुए स्नो लैपर्ड

## वन्यजीव संरक्षण से जुड़ी गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा : ध्रुव मर्तोलिया

बागेश्वर। उच्च हिमालयी क्षेत्र में यदा-कदा दिखने वाले दुर्लभ पशु स्नो लैपर्ट पर वन विभाग ने अध्ययन करना प्रारम्भ कर दिया है। वन विभाग को अब तक इनको अपने कैमरे में कैद करने में सफलता मिलह है। यह कार्य विभाग द्वारा ग्रीन इण्डिया मिशन के तहत किया जा रहा है। जनपद स्तर पर वन विभाग स्नो लैपर्ड के वितरण और व्यवहार को समझने की योजना बना रहा है। इसके लिए उन्नत तकनीकी जैसे कैमरा ट्रैपिंग और पारिस्थितिक सर्वेक्षणों का उपयोग कर रहा है। इन आंकड़ों का उपयोग भविष्य में आवास विकास, वन्यजीव संरक्षण और सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए किया जायेगा। जिससे इन दुर्लभ बिल्लियों का दीर्घकालीन संरक्षण सुनिश्चित हो सके। इसके तहत स्नो लैपर्ड की आबादी, उनके आवास और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को समझने के लिए अध्ययन किया जा रहा है।

प्रभागीतय वनाधिकारी ध्रुव सिंह मर्तोलिया कहते हैं कि यह पहले स्नो लैपर्ड की आबादी के संरक्षण के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। यह अल्पाइन पारिस्थितिकी तन्त्र के पुनर्स्थापना और वन्यजीव संरक्षण से जुड़ी गतिविधियों को भी बढ़ावा देगी।

स्नो लैपर्ड को ऊँचाई वाले हिमालयी क्षेत्रों का गौराव माना जाता है। वन अधिकारियों को मानना है कि ग्रीन इण्डिया मिशन के तहत शुरू की गई इस परियोजना के निष्कर्ष मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने, शिकार प्रजातियों की सुरक्षा और क्षतिग्रस्त आवासों के पुनरूद्धार के लिए रणनीतियां बनाने में मदद करेंगे। करीब एक वर्ष तक चलने वाला यह अध्ययन पिण्डारी, कफनी और सुन्दरढूंगा जैसे क्षेत्रों पर केन्द्रित रहेगा।


घर से बाहर अपनों का साथ
होटल लक्ष्य इन
मदकोट
सम्पर्क 7351285555
नरेन्द्र सिंह रावत

महेन्द्रप्रताप सिंह जंगपांगी
एडवोकेट
लक्ष्मण निवास (दोनहरिया के पास)
भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी

न तेरा न मेरा Thats
APNA GHAR चौकोड़ी
HOTEL RESTRO BANQUET
YOGA MEDITATION | LIVE MUSIC | HOMELY FOOD | BIRTHDAY WEDDING
मो.- 9458920379, 6396098804
Near by- (माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)
पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

श्रीमती सीता रावत
गंगोत्री सदन, देवेन्द्रपुरी,
मन्दिर मार्ग, बड़ी मुखानी
हल्द्वानी

Hotel
Bala Paradise
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

धमोत
होम स्टे
धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग, माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
www.mountainheights.in
मो. 9760007148

टी.एस.
वृजवाल
(सेनि.सीडीओ)
छड़ायल सुयाल
हिमालयन कालोनी, पश्चिम मानपुर
हल्द्वानी

Hayat Paradise
Bus Station
Munsiari
Ph. 09411556700, 9997733070

जंगपांगी जनरल स्टोर
मदकोट रोड, दरांती मनुस्यारी
(सीमेन्ट, पेण्ट, हार्डवेयर सामग्री के लिये सुलभ स्थान)
मो.- 9760342346

Enjoy Beauty of
Himalaya at
MARTOLIA LODGE
Family Guest House-
Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From
Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287



स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।
सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/मोबाइल 9458961490, 9411770280, 9411301014,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com


Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)